केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 277 मंगलवार 6 मई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मौत मामले में परिजनों ने दिया धरना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती के थाना वाल्टरगंज क्षेत्र में सुरज उर्फ मुकेश चौधरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में परिजनों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। परिजनों का कहना है कि यह मामला दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या का है।

परिवार ने छह प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें मामले में आपराधिक षड्यंत्र और हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज करना शामिल है। वाल्टरगंज थाने के केस हटाकर एसआईटी से जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही मुख्य अभियुक्त की तत्काल गिरफ्तारी की मांग भी की गई है।

परिवार ने सभी अभियुक्तों और संदिग्धों के मोबाइल सीडीआर, जिओ–लोकेशन और वॉइस रिकॉर्डिंग की जांच की मांग की है। घटना स्थल से बरामद लोहे की पाइप की फॉरेंसिक जांच भी मांगों में शामिल है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट जारी करने वाले डॉक्टर का बयान दर्ज करने और घटना से जुड़े सभी वीडियो व साक्ष्यों को जांच में शामिल करने की मांग की गई है।

धरना स्थल पर सरदार सेना के जिला अध्यक्ष विनय चौधरी ने अपनी टीम के साथ पहुंचकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। परिवार ने चेतावनी दी है कि जब तक मांगें नहीं मानी जाएंगी, धरना जारी रहेगा। मौके पर आकाश पटेल, प्रदीप चौधरी राना, सर्वेश चौधरी और इंद्रावती समेत कई लोग मौजूद रहे।

स्कार्पियो ने स्कूटी सवार छात्रा को रौंदा, मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाई और बहन को स्कूटी से स्कूल लेकर आ रही छात्रा को तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने रौंद दिया। जिला अस्पताल ले जाते वक्त एक छात्रा ने दम तोड़ दिया। वही बुरी तरह से घायल छात्रा के भाई और बहन का इलाज बस्ती में चल रहा है। सोमवार की सुबह गौर थानाक्षेत्र के करमहवा गांव निवासी मोहन की बेटी लक्ष्मी (17), अपनी बहन ज्योति (14) और भाई शिवम (8) को स्कूटी पर बैठाकर घर से चंद्रभान सिंह इंटर कॉलेज इटबहरा गौर के लिए निकली। अभी वह गांव से कुछ ही दूर पहुंची थी कि करमहवा गांव के मोड़ के पास तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दिया, जिससे तीनों स्कूटी के साथ गिर गए।

चार पहिया वाहन लक्ष्मी को रौंदते हुए आगे बढ़ गया। लोगों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस सेवा से तीनों को सीएचसी गौर पहुंचाया गया। हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल ले जाते समय लक्ष्मी ने दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल ज्योति और शिवम का प्राइवेट हॉस्पिटल बस्ती में इलाज चल रहा है। इस बाबत थानाध्यक्ष गौर गजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। अभी तक तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। लक्ष्मी की मौत की सूचना से छात्राएं हुई बेहोश गौर थानाक्षेत्र के करमहवा गांव निवासी मोहन की 17 वर्षीय बेटी लक्ष्मी चंद्रभान सिंह इंटर कॉलेज इटबहरा गौर में 12वीं की छात्रा थी। लक्ष्मी के मौत की सूचना विद्यालय पहुंची तो अफरा–तफरी मच गई।

पाकिस्तान से तनाव के बीच भारत को मिला रूस का समर्थन

नई दिल्ली (आभा)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन करके पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। राष्ट्रपति पुतिन ने इस हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों को मौत पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में रूस का पूरा समर्थन है। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस कायरतापूर्ण हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

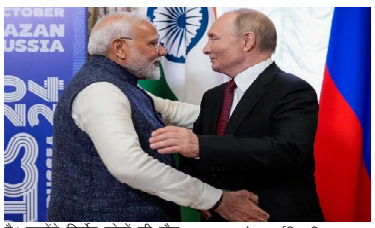

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दोनों नेताओं के बीच हुई इस बातचीत के बारे में सोशल मीडिया पर किए एक पोस्ट में लिखा, 'राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को फोन करके पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर अपनी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही। इसके अलावा उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आतंकवादियों और उनके समर्थकों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।'

रूस के राष्ट्रपति पुतिन का यह फोन ऐसे समय में आया है जब पिछले महीने 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। तभी से भारत और पाकिस्तान के संबंध लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। इस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर राजनैतिक और कूटनीतिक स्ट्राइक करना जारी रखा है। वैश्विक स्तर पर भी भारत को पाकिस्तान के ऊपर वरीयता मिल रही है।

जायसवाल ने लिखा, 'पहलगाम हमले पर बातचीत के अलावा दोनों नेताओं ने भारत–रूस के विशेष संबंधों और बेहतर रणनीतिक संबंधों को और भी ज्यादा मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।' बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को साल के अंत में होने वाले शिखर सम्मेलन में भारत आने का भी न्यौता दिया और इसके साथ ही उन्हें 80वीं विजय दिवस समारोह की परेड के लिए भी शुभकामनाएं दीं।जायसवाल ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने रूस की विजय दिवस की 80वीं सालगिरह के अवसर पर राष्ट्रपति पुतिन को शुभकामनाएं दीं और उन्हें इस साल के अंत में भारत में होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आमंत्रित किया।

शिवसेना की कार्यकारिणी भंग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिवसेना यूबीटी उत्तर प्रदेश के प्रदेश सचिव संजय प्रधान की अध्यक्षता में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की बैठक सोमवार को शिव सेना के शिविर कार्यालय महसो में सम्पन्न हुई। बैठक में शिवसेना के विस्तार के उद्देश्य से प्रदेश सचिव एवं बस्ती प्रभारी संजय प्रधान ने तत्काल प्रभाव से बस्ती की जिला इकाई को भंग कर दिया। बताया कि अति शीघ्र नई कार्यकारिणी का गठन किया जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से विनोदमणि त्रिपाठी, राधेश्याम शुक्ल, नरायन पाल, कोतवाल यादव, प्रशान्त मिश्र, सुमित कुमार, राजन पाल के साथ ही शिवसेना से जुड़े अनेक लोग शामिल रहे।

मृदा नमूना संकलन के लिये जागरूकता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे वृहद मृदा नमूना संकलन अभियान के अंतर्गत आज कृषि विज्ञान केंद्र, बंजरिया बस्ती के वैज्ञानिकों की टीम ने कृषि विभाग बस्ती के सहयोग से ग्राम कटया में मृदा नमूनों का संकलन कर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया। यह अभियान किसानों को उनकी खेत की मिट्टी की गुणवत्ता के प्रति सजग करने तथा वैज्ञानिक पद्धतियों पर आधारित खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। गांव के प्रगतिशील किसान राजेन्द्र सिंह, प्रदीप सिंह, मोहन, बहाउ एवं गोपाल ने सक्रिय रूप से सहयोग करते हुए मृदा नमूना संकलन प्रक्रिया में भाग लिया।

नगर पालिका के प्रयास से खुल गया बाधित नाला: जल जमाव से मिलेगी मुक्ति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को मालवीय रोड होटल क्लार्क्स इन के निकट वर्षो से बाधित नाला नगर पालिका कर्मचारियों के दो दिन के लगातार प्रयास से खुल गया। इससे लोगों को बरसात के समय जल जमाव से मुक्ति मिलेगी। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता ने बताया कि आगामी बरसात में जल जमाव से निपटने के लिये नगर पालिका युद्ध स्तर पर प्रयास कर रही है जिससे लोगों को असुविधा न होने पाये। मौके पर उपस्थित नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा ने समुचित निर्देश दिया। एक आरसीसी की दीवाल 3 फीट ऊंची और लगभग 1 फुट मोटी दीवाल एक बड़े क्षेत्र के जल निकासी में बाधा बनी हुई थी । इससे समस्या का समाधान हो गया है। उन्होने नागरिकों से आग्रह किया कि जल जमाव और कूडा निस्तारण के कार्य में नगर पालिका को सहयोग दें जिससे स्वच्छ, सुन्दर बस्ती के संकल्प को जमीनी धरातल पर साकार किया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को ईडी को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि बिना सबूत के आरोप लगाना ईडी का चलन बन गया है। कोर्ट छत्तीसगढ़ में 2000 करोड़ रुपए की कथित शराब घोटाले से जुड़े एक आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को शराब घोटाले के एक मामले में एक आरोपी के खिलाफ बिना किसी सबूत के आरोप लगाने के लिए कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि यह एक चलन बन गया है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ छत्तीसगढ़ में 2000 करोड़ रुपए के कथित शराब घोटाले में जमानत की मांग करने वाली अरविंद सिंह की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

पीठ ने कहा, 'ईडी ने कई मामलों में यही तरीका अपनाया है। आप बिना किसी सबूत के आरोप लगाते हैं। अभियोजन पक्ष इस तरह से कोर्ट के सामने टिक नहीं पाएगा।' सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने आरोप लगाया कि अरविंद सिंह ने विकास अग्रवाल नामक एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलीभगत करके 40 करोड़ रुपए कमाए हैं। जब अदालत ने पूछा कि क्या अग्रवाल को आरोपी बनाया गया है, तो एएसजी ने जवाब दिया कि वह फरार है।

वक्फ याचिकाओं पर सुनवाई 15 तक टली

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ याचिकाओं पर सुनवाई 15 मई तक के लिए टाल दी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने इसे अब अगले मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई के हवाले कर दिया है क्योंकि अगले सप्ताह वह रिटायर होने जा रहे हैं।

उन्होंने अगले सप्ताह अपनी सेवानिवृत्ति का हवाला देते हुए यह व्यवस्था दी। जस्टिस खन्ना 13 मई को रिटायर होंगे, जबकि जस्टिस गवई 14 मई को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर गोरख सिंह प्रकरण की जांच शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गोरख सिंह प्रकरण की जांच शुरू हो गई है। रेलवे प्रशासन ने परिसर में मौजूद गोरख सिंह की टिनशेड की दुकान व मंदिर को तोड़ दिया था। गोरखसिंह का कहना है कि पुलिस ने उसके ऊपर 11 मुकदमें दर्ज करने के साथ ही उसके खिलाफ गुंडा एक्ट व गैंगस्टर के तहत कार्रवाई की थी। उस समय यह मामला सुर्खियों में आया था। रेलवे प्रशासन की कार्रवाई के बाद गोरख सिंह का परिवार बिखर गया। गोरख सिंह की पत्नी सुशीला देवी पिछले महीने मुख्यमंत्री के जनता दर्शन दरबार में मुख्यमंत्री से मिलीं तथा उनके परिवार के साथ हुई ज्यादती की कहानी उन्हें बताई।

गोरख सिंह का कहना है कि सीएम ने पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट तलब की है। शिकायत की जांच के लिए सीओ जीआरपी गोरखपुर बस्ती आए हैं तथा उनसे मुकदमों से संबंधित विवरण तलब किया गया है। उनका कहना है कि वर्ष 2016 में रेलवे की ओर से की गई कार्रवाई के बाद से उनके चार बेटे व बेटियां उनसे बिछुड़ गए हैं। उनकी कमाई का जरिया टिनशेड की दुकान थी, जिसमें वह बोतल वाला पानी बेचकर अपने परिवार का पेट पालते थे। अचानक उनकी दुकान तोड़कर सब कुछ बर्बाद कर दिया गया। उनके ऊपर जितने मुकदमें दर्ज हैं वह आधारहीन हैं। अब इसकी जांच की जा रही है। उनके खिलाफ एक भी शिकायती पत्र नहीं मिला। सुशीला देवी के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने एक सप्ताह में आख्या मांगी है। सीएम के निर्देश पर उच्चाधिकारियों ने प्रकरण को संज्ञान में लिया। सीओ जीआरपी ने गोरख सिंह के आवास, बस्ती रेलवे स्टेशन परिसर का भ्रमण का मौका मुआयना किया। इसके बाद गोरखपुर सिंह का बयान दर्ज किया।

डीएम ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने पैक्स घरसोहिया विकास खण्ड–सदर में निर्माणाधीन पी.सी.एफ. गोदाम तथा कैली हॉस्पिटल के परिसर में निर्माणाधीन 50 शैय्या क्रिटिकल केयर, हॉस्पिटल का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने पाया कि निर्माण कार्य टाई बीम स्तर तक हो गया है तथा कालम टेढा है। निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था सी.एल.डी.एफ. लि. बस्ती द्वारा कराया जा रहा है। मुख्य अभियन्ता द्वारा बताया गया कि अगला बजट मई 2025 तक प्राप्त हो जायेगा तथा निर्माण कार्य माह नवंबर 2025 तक पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया। उन्होने मुख्य अभियन्ता को निर्देश दिया कि इसकी दृढ़ता का विधिवत परीक्षण करवाकर ही उचित उपचार के साथ आगे का निर्माण इसके ऊपर हो।

कैली हॉस्पिटल के परिसर में निर्माणाधिन 50 शैय्या क्रिटिकल केयर, हॉस्पिटल के निरीक्षण में उन्होने पाया कि भवन के स्ट्रक्चर का कार्य पूर्ण है, भूतल, प्रथम तल एवं द्वितीय तल पर ब्रिक का कार्य प्रगति पर है। दूरभाष के माध्यम से अवर अभियन्ता द्वारा बताया गया कि हाईटेंशन तार के कारण निर्माण कार्य में विलम्ब हुआ है एवं अगस्त 2025 में हॉस्पिटल का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने का आश्वासन दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण करवायें।

प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक में विमर्श सैकड़ों शिक्षकों ने लिया संघ की सदस्यता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक प्रेस क्लब सभागार में सोमवार को जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें आगामी 10 मई को होने वाले जिला कार्यसमिति के चुनाव को लेकर आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। बैठक में बड़ी संख्या में शिक्षकों ने संघ की सदस्यता लिया। प्रदेश संगठन द्वारा जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह को बस्ती मण्डल का माण्डलिक मंत्री मनोनीत किए जाने पर शिक्षकों ने उनका भव्य स्वागत किया।

नवनियुक्त मांडलिक मंत्री ने प्रदेश नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए भव्य स्वागत के लिए शिक्षकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संघ ने जो जिम्मेदारी दिया है उसका निष्ठा से निर्वहन करूंगा। शिक्षकों की जो भी समस्याएं हैं उसके निदान तक हर स्तर से लड़ाई जारी रहेगी। जिलाध्यक्ष और जिलामंत्री द्वारा सल्टौआ ब्लॉक के बब्बन पाण्डेय, चंद्रशेखर पाण्डेय, कुलदीप द्विवेदी, तरुण कन्नौजिया, भास्कर दूबे, वीरेंद्र शर्मा, अखिलेश श्रीवास्तव, विनय कुमार, अजय त्रिपाठी, महेंद्र कन्नौजिया, विनय शुक्ल, ध्रुव लाल मिश्र, जितेंद्र कुमार, चंद्रभूषण, सुनील भट्ट, कृष्ण कुमार पाण्डेय, विवेक कुमार, सौरभ शुक्ल, सिद्धार्थ कुमार, रंजीत गौतम, डॉ अश्वनी पाण्डेय सहित सैकड़ों शिक्षकों को संघ की सदस्यता दिलाकर सभी का स्वागत किया गया। संघ के सदस्य शिक्षक नेता बब्बन पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश से लेकर ब्लॉकों तक यही संघ मान्यता प्राप्त है और संघर्ष कर रहा है, शिक्षकों को भी इसी संघ पर विश्वास है। इसलिए हम सभी ने आज सदस्यता ग्रहण किया। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव व जिला उपाध्यक्ष रवीश मिश्र ने कहा कि आगामी 10 मई को जनपदीय कार्यसमिति का चुनाव है जिसके लिए विस्तृत कार्यक्रम जारी किया जा चुका है। ब्लॉक कार्यकारिणी को सदस्यता आदि को लेकर विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नियमानुसार कोई भी शिक्षक किसी भी पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की समस्याएं बहुत हैं। हमें ऐसे पदाधिकारी का चुनाव करना है जो हमारी समस्याओं के लिए लड़ सके।

इस अवसर पर राजेश गिरी, उमाकान्त शुक्ल, प्रताप नारायण, शिव रतन, सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, प्रवीण श्रीवास्तव, विवेक कान्त पाण्डेय, हरेंद्र यादव, देवेंद्र सिंह, डॉ प्रमोद सिंह, सुरेश गौड़, सनद पटेल, अशोक यादव, अखिलेश पाण्डेय, रवि सिंह, राम सागर वर्मा,विनोद यादव, रमा शंकर लाल,शिल्पी पाण्डेय, विजय भारती, मुस्ताकीम खान, रमेश विश्वकर्मा, राहुल सिंह, दिवाकर मिश्र, मनोज उपाध्याय, अनीश अहमद, दौलतराम, विनय चौधरी, लालचंद, हरि गोपाल, हृदय विकास, प्रशांत बरगाह, अनिल कुमार, सत्यराम वर्मा, गिरजेश सिंह, सर्वदेव सिंह, राकेश सिंह, पवन यादव, धर्मराज यादव, असलम, सुशील गहलोत, नितिन सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

–नवनियुक्त माण्डलिक मंत्री चन्द्रिका सिंह का शिक्षकों ने किया स्वागत – जिम्मेदारी का निष्ठा से करूंगा निर्वहन –चन्द्रिका सिंह

जाति जनगणना कराये जाने के निर्णय पर सुभासपा ने प्रधानमंत्री को भेजा धन्यवाद पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष मनोज राजभर के संयोजन में जनपद के सभी तहसील मुख्यालयों बस्ती सदर, हर्रैया, भानपुर, रूधौली में उप जिलाधिकारियों के माध्यम से जातिगत जनगणना कराये जाने के निर्णय पर धन्यवाद पत्र भेजा।

धन्यवाद पत्र सौंपे जाने के बाद सुभासपा जिलाध्यक्ष मनोज राजभर, राष्ट्रीय सचिव विनोद राजभर ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर लम्बे समय से जातिगत जनगणना कराये जाने की मांग कर रहे थे। अंततः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने इसकी घोषणा कर सही कदम उठाया है।

प्रधानमंत्री को सम्बोधित धन्यवाद पत्र में कहा गया है कि भारत की शोषित उपेक्षित वंचित जनमानस को समुचित भागीदारी दिलाने के लिए लंबित जातीय जनगणना कराने के लिए एनडीए सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में साहसिक निर्णय लिया है। सरकार का यह निर्णय आने वाले समय में समस्त वंचित शोषित समाज को समुचित भागीदारी प्राप्ति के लिए कानूनी आधार बनेगा। विगत समय की विपक्षी सरकारों ने जातीय जनगणना को नहीं होने दिया। वंचित शोषित समाज से संबंधित इस महत्वपूर्ण मांग को स्वीकार करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सामाजिक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। इस निर्णय से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी में प्रसन्नता है।

धन्यवाद पत्र देने वालों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूर्व विधायक राम ललित चौधरी, बौद्धिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष बृजभूषण मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष चतुर्भुज पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा सुरेशराजभर , मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा लक्ष्मी देवी राजभर, मंडल उपाध्यक्ष पूजा चौधरी, जिला सलाहकार अर्जुन राजभर, जिला ,अध्यक्ष युवा मोर्चा कुमार राजभर, महादेवा विधानसभा अध्यक्ष रामप्रीत राजभर, अनुराग सिंघानिया जिला महासचिव, परशुराम राजभर, ब्लॉक अध्यक्ष अजय राजभर, विजय राजभर, जंगीलाल राजभर दिनेश राजभर, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष जगनारायण चौधरी आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 मई 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

परीक्षा का दबाव और जिन्दगी

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी युवा प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में तीन छात्रों की दुखद मौतें विचलित करने वाली हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। नीट परीक्षा से पूर्व छात्रों का मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता को ही उजागर करता है। विडंबना ये है कि परीक्षाओं के इस जोखिम को हम नजरअंदाज करते हैं। जो बताता है कि ये प्रतिभाएं किस हद तक शैक्षणिक दबाव, मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी तथा अवास्तविक अपेक्षाओं के मिलने से बनी जानलेवा घातकता का शिकार हो रही हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार–बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक संजाल बन जाते हैं।

निश्चित रूप से युवाओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन कोई भी प्रावधान तब तक कारगर साबित नहीं हो सकते जब तक कि कोचिंग संस्थानों की कारगुजारियों की नियमित निगरानी न की जाए। कोचिंग संस्थानों में नामांकन से पहले अनिवार्य परामर्श और योग्यता परीक्षण मददगार हो सकता है। यह विडंबना ही है कि वर्ष 2018 के दिशा–निर्देश, जिनका मकसद छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना और निजी संस्थानों को विनियमित करना था, वे आज अप्रासंगिक हो गए हैं। यह एक हकीकत है कि सख्त निगरानी के बिना नये कानून का भी प्रतीकात्मक बनने का जोखिम बना रहता है। युवाओं को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। यदि वे एक परीक्षा या पाठ्यक्रम में सफल नहीं होते तो रोजगार के असंख्य विकल्प उनका इंतजार कर रहे होते हैं।

दवा कंपनियों की मनमानी

चिकित्सा क्षेत्र में पलते इस भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए सरकारें अक्सर कुछ कदम उठाने की घोषणा करती हैं, लेकिन व्यवहार में अब तक इसका कोई ठोस असर सामने नहीं आया है। ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं, जिनमें कमजोर या गरीब तबकों के लोग सिर्फ इसलिए किसी गंभीर बीमारी का इलाज ठीक से नहीं करा पाते, क्योंकि उसके इलाज का खर्च वहन करना उनकी क्षमता से बाहर होता है। इलाज में सबसे अहम खर्च दवाओं पर होता है, जिनकी कीमतें कई बार सबकी पहुंच में नहीं होतीं। समूची स्वास्थ्य सेवा के संदर्भ में समय के साथ यह एक बड़ी समस्या बनती गई है। दवाओं की बेलगाम कीमतों को लेकर कई तरह के सवाल उठाए जाते हैं।

सरकार ने इस मुश्किल से पार पाने के लिए वैकल्पिक उपाय के तौर पर मरीजों के लिए जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता बढ़ाने की कोशिशें की हैं, लेकिन अब भी इस दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं दिखती। दवाओं की कीमतों और कंपनियों की अनैतिक विपणन के चलन पर काबू पाने से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान गत शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चिकित्सक अगर सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखें तो दवा कंपनियों और चिकित्सकों के बीच विश्वतखोरी से उपजी इस समस्या को रोका जा सकता है।

यह छिपा नहीं है कि दवा कंपनियों के दबाव में डाक्टर मरीजों को आमतौर पर महंगी दवाएं लिखते हैं। जबकि उन्हीं रासायनिक मिश्रण से बनी और समान असर वाली उपयोगी जेनेरिक दवाओं की कीमत काफी कम हो सकती है। दरअसल, मरीजों को जरूरत से ज्यादा दवाएं लिखने के एवज में दवा कंपनियां चिकित्सकों को कई तरह की सुविधाएं मुहैया कराती रही हैं, उन्हें प्रकारांतर से रिश्वत भी देती हैं। इस तरह डाक्टरों पर यह दबाव बनता है कि वे मरीजों को किसी खास ब्रांड या कंपनी की ही दवा लेने की सलाह दें।

चिकित्सा क्षेत्र में पलते इस भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए सरकारें अक्सर कुछ कदम उठाने की घोषणा करती हैं, लेकिन व्यवहार में अब तक इसका कोई ठोस असर सामने नहीं आया है। अनुचित तौर–तरीके अपना कर चिकित्सकों के जरिए दवा कंपनियां जिस तरह बेलगाम मुनाफाखोरी करती हैं, उसका खमियाजा आम लोगों को ही भुगतना पड़ता है। जरूरत इस बात की है कि सरकार समान गुणवत्ता और असर वाली जेनेरिक दवाओं की आसान उपलब्धता और इसके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए सुचिंतित कदम उठाए।

पाकिस्तान जैसी समस्या के समाधान की चुनौती

—ज्योति मल्होत्रा—

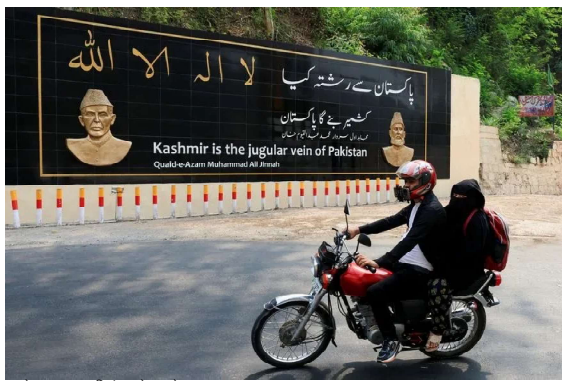

पहलगाम नरसंहार पर मध्य मार्ग अपनाने की कोशिश करने में लगे अमेरिकी फिर से वही कर रहे हैं, जिसमें उन्हें महारत है, यह कहकर कि प्रधानमंत्री मोदी को 'हमारा पूर्ण समर्थन' है, लेकिन ठीक इसी वक्त पाकिस्तान की आलोचना एक हद से परे जाकर करने से बच रहे हैं। आखिरकार, अमेरिकी प्रशासन में यह तर्क चला हुआ है कि अगर आप अपराधी की मदद करने वालों पर खुलेआम इल्जाम लगा देंगे, तो भविष्य में उन्हीं से मदद कैसे मांग पाएंगे? यहां कोई मुगालता न रहे, अंततः युद्ध कोई नहीं चाहता। न अमेरिकी, न ही यूरोपीय। रूसियों को इतनी परवाह नहीं है, क्योंकि वे तीन साल से युद्धरत हैं और अपने बहुत लोगों को खो चुके हैं, लेकिन व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के उस हिस्से को पाने के लिए दृढ़संकल्प लगते हैं, जिस पर उनकी नजर है। जहां तक चीनियों का सवाल है, वे भी युद्ध नहीं चाहते क्योंकि, जैसा कि जैबिन टी जैकब ने लिखा है, वे चाहेंगे कि 'युद्ध को छोड़कर' भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी रहे, जो धीरे–धीरे एक–दूसरे को निपटा देगा।

पहलगाम के बाद की स्थिति निश्चित रूप से असामान्य है। सर्वप्रथम, 2016 में उड़ी और 2019 में पुलवामा कांड में सैनिकों के शहीद होने के विपरीत, इस बार निर्दोष नागरिक मारे गए हैं। भारत ने उड़ी हमले का जवाब नियंत्रण रेखा के पार 'सर्जिकल स्ट्राइक' करके और पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा के काफी अंदर घुसकर बालाकोट स्थित आतंकी शिविरों पर मिसाइलें दागकर किया था।

दूसरा, कारगिल में संघर्ष सहित भारत और पाकिस्तान के बीच सभी पिछले युद्ध जो भारत ने लड़े हैंदृ और जीते हैं–भले ही शुरुआत भारत ने कभी नहीं की। इस बार, पीएम मोदी ने सार्वजनिक रूप से सबक सिखाने की बात कही है। इस वादे से लेकर कि उनकी सरकार हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को खोजने के लिए 'दुनिया के अंतिम छोर तक जाएगी', गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हिंदी में यह कहने तक कि 'चुन–चुन के जवाब दिया जाएगा', ऐसा साफ लगता है कि बदला लिया जाएगा।

स्पष्टतः प्रधानमंत्री पाकिस्तान का व्यवहार हमेशा के लिए बदलना चाहते हैं। पिछली सरकारों, भाजपा और कांग्रेस दोनों की, ने अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व में, जवाब देने की अलग–अलग शैली आजमाई थी। कारगिल में युद्ध लड़ने से लेकर आगरा में वार्ता के लिए परवेज मुशर्रफ को आमंत्रित करना, लेकिन उनके साथ समझौता अंतिम क्षण पर सिरे न चढ़ने तक और मुंबई हमलों के बाद सबंध तोड़ने से लेकर दिल्ली से रावलपिंडी के लिए सीधे विशेष विमान से विदेश मंत्री को भेजकर संबंध बहाल करने तक दृ पिछले 30 सालों में तमाम नुस्खे आजमाए जा चुके हैं।

सवाल यह है कि पाकिस्तान जैसी समस्या का समाधान कैसे किया जाए? इस सवाल से जूझने वाले हर प्रधानमंत्री की तरह मोदी को इल्म है कि इतिहास में उनकी याद इस बात से प्रभावित होगी कि वे भारत के पश्चिमी पड़ोसी के साथ किस प्रकार बरत पाए। उन्होंने न केवल 2014 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को दिल्ली आमंत्रित किया बल्कि 2015 में उनके घर पहुंचकर भी हाथ मिलाने की कोशिश की। अगले कुछ दिन और सप्ताह सबसे कठिन होने की उम्मीद है।

सबसे महत्वपूर्ण कारकों में अमेरिका का रुख अहम रहेगा। भारत और पाकिस्तान, दोनों पर, काफी प्रभाव रखने वाली एकमात्र शक्ति के रूप में, ट्रम्प प्रशासन भावनाओं को शांत करने की आस में दोनों पक्षों के संपर्क में है। लेकिन तथ्य यह है कि कोई अमेरिकी विशेष दूत अब तक सूटकेस पैक करके नई दिल्ली या इस्लामाबाद के लिए रवाना नहीं हुआ दृ भले ही भारत सार्वजनिक रूप से 'तीसरे पक्ष' को बीच में डालने के विचार मात्र को नापसंद करता है दृ यह दर्शाता है कि भारत के अलावा दुनिया भर के देशों के साथ टैरिफ पर सौदेबाजी करने में उलझे अमेरिका के पास और भी काम हैं। वास्तव में, उम्मीद है कि टैरिफ पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले शुरुआती देशों में भारत–अमेरिका संधि एक हो सकती है, जिससे आर्थिक चिंता कुछ कम हो पाएगी, जोकि पहलगाम घटना से पहले एक बड़ा मुद्दा रही। फिर, पहलगाम घटना पर डोनाल्ड ट्रम्प की शुरुआती टिप्पणियों पर गौर करें, जब उन्होंने एक सप्ताह पहले प्रेस रिपोर्टरों से कहा रु 'मैं भारत के बहुत करीब हूं और मैं पाकिस्तान के भी बहुत करीब हूं, जैसा कि आप जानते हैं। और कश्मीर को लेकर वे 1,000 वर्षों से झगड़ रहे हैं। कश्मीर का मसला 1,000 वर्षों से जारी है, शायद उससे भी अधिक समय से।

लेकिन जिस प्रकार भारत की ओर से बयानबाजी में तेजी आई, जिसमें देश भर के परिवारों के दुख की गूंज भी शामिल है, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की ताजा टिप्पणियों में वही घबराहट झलक रही है, जो 1999 के कारगिल संघर्ष के दौरान बिल क्लिंटन के ब्यानों में थी, जब वे महसूस करने लगे थे कि कहीं टकराव बढ़कर 'परमाणु युद्ध' में न बदल जाए। वीरवार को फॉक्स न्यूज को दी गई वेंस की टिप्पणी उसी पुरानी याद जैसी थी। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से, मुझे चिंता है कि कहीं मामला बढ़ न जाए, खासकर दो परमाणु शक्तियों के बीच'। वेंस ने आगे कहा रू 'हम उम्मीद करते हैं कि भारत इस आतंकवादी हमले का जवाब कुछ इस तरह से दे कि यह विस्तृत क्षेत्रीय संघर्ष का रूप न ले पाए3 और हम उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान, जहां तक वह जिम्मेदार हैं, भारत के साथ सहयोग करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उसके क्षेत्र से कभी–कभार गतिविधियां चलाने वाले आतंकवादियों का पता लगाया जा सके और उनसे निबटा जाए3'।

गिलास आधा भरा या आधा खाली? तमाम बड़ी शक्तियों का वह खेल, जो वे दोनों पक्षों के साथ खेलना चाहती हैं, जहां वेंस भारत के प्रति सहानुभूति दर्शा रहे हैं वहीं स्पष्ट रूप से यह भी चाहते हैं कि वह संयम बरते। इसी बीच, वे पाकिस्तान को 'भारत के साथ सहयोग' करने के लिए भी कह रहे हैं, जबकि खुद अमेरिका को अंतर्राष्ट्रीय जांच में शामिल होने से दूर रखना चाह रहे हैं और यही पाकिस्तान चाहता है। यहां गौरतलब है कि वेंस को अभी शक है कि आतंकवादी हमेशा पाकिस्तानी इलाके से ही गतिविधियां चलाते हैं—यानि केवल 'कभी–कभार'। फिर अरब दुनिया का आलम है। पहलगाम घटना पर सऊदी अरब की प्रतिक्रिया में पिछले 10 दिनों में काफी बदलाव आया है दृ सनद रहे, नरसंहार के वक्त प्रधानमंत्री मोदी रियाद के दौरे पर थे। उस समय, शक्तिशाली क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में 'सीमा पार आतंकवाद' की निंदा की गई थी और कहा गया था कि 'आतंकी कृत्यों को किसी तरह न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता'। लेकिन जिस प्रकार पाकिस्तान स्थिति का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की कोशिश में लगा है,और इस बीच अपनी रक्षा तैयारियां बढ़ा रहा है और उसने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, अब सऊदी अरब कह रहा है कि दोनों देशों को 'टकराव आने बढ़ाने से बचना चाहिए और कूटनीतिक तरीकों से विवादों का हल निकालना चाहिए'।

अब आगे क्या? दुनिया ने चाहे प्रधानमंत्री मोदी को कुछ भी कहा हो, लेकिन उन्होंने और उनकी सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, खासकर अमेरिकियों को यह स्पष्ट कर दिया होगा कि अगर पाकिस्तान दोषियों को जल्द सजा नहीं देगा, तो भारत के पास मामले को अपने हाथ में लेने के सिवाय कोई विकल्प नहीं होगा।

सवाल यह है कि भारत कब तक इंतजार करने को तैयार है और क्या इस फैसले में मानसून अपनी ओर से समय सीमा तय करवाएगा। अगले कुछ दिन और हफ्ते अहम होने वाले हैं।—लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

कबाड़ से जुगाड़ का सौन्दर्यमयी चमक

—ललित गर्ग—

'कबाड़ से जुगाड़' सिर्फ एक तरीका नहीं, बल्कि एक रचनात्मक दर्शन है जो संसाधनशीलता और नवाचार को बढ़ावा देता है। यह अपसाइकल की गई रचनाओं और सरल समाधानों के माध्यम से अपरंपरागत सोच की शक्ति का प्रमाण है। 'कबाड़ से जुगाड़' का दर्शन बेकार वस्तुओं को उपयोगी बनाने और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने पर जोर देता है। यह दर्शन हमें नए और रचनात्मक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है, जो मौजूदा समस्याओं को हल करने में मदद करते हैं और इससे कचरे को कम करने और पर्यावरण को बचाने में मदद मिलती है। यह आत्मनिर्भरता की भी दर्शन है, जो हमें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद पर निर्भर रहने के लिए प्रोत्साहित करता है, यह दर्शन जटिल समस्याओं के लिए सरल और व्यावहारिक समाधान खोजने पर जोर देता है।

जुगाड़ एक बोलचाल का हिंदी शब्द हैं जिसका मतलब हैं अपरंपरागत, किफायती नवाचार। कबाड़ से बने स्पूरल, पार्क और अन्य कलाकृतियां 'कबाड़ से जुगाड़' के उपक्रम को दर्शाती हैं। कबाड़ से बनाए गए टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, वाटर प्यूरीफायर आदि कबाड़ से जुगाड़ के उदाहरण हैं। चंडीगढ़ का रॉक गार्डन, जुन्नारदेव जनपद पंचायत के बरेली पार गांव के ग्रामीणों का कबाड से बना स्वच्छता पार्क एवं मेरठ का 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान ऐसे विरल एवं अनुकरणीय उदाहरण हैं जो राष्ट्रीय फलक पर चमक रहे हैं। कबाड़ से जुगाड़ बेकार की वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने की एक प्रक्रिया है। कबाड़ से जुगाड़ ना केवल हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए बहुत सहायक है बल्कि यह अनुपयोगी वस्तुओं के निपटान का भी एक सटीक उपाय है। इसके माध्यम से हम ऐसी अनुपयोगी वस्तुओं को फेंकने की जगह उनसे कुछ उपयोगी वस्तुएं बना सकते हैं। कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम दिया जा सकता है, जो रचनात्मकता एवं सृजनात्मकता की दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम हैं। हम भारतवासी वैसे भी जुगाड़ू होते हैं जो अपना काम बनाने के लिए हर जगह कुछ ना कुछ जुगाड़ कर लेते हैं। यदि हम अपनी रचनात्मकता कबाड़ से जुगाड़ में लगाएं तो दिनों दिन बढ़ते जा रहे कचरे के निपटान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इससे प्लास्टिक एवं ई–कचरे में निरंतर कमी आती जाएगी और पर्यावरण संरक्षण भी बढ़ेगा। संसाधनों पर वह भी बोझ कम पड़ेगा।

मेरठ का 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान अब राष्ट्रीय फलक तक चमका, एक सकारात्मक सोच एवं सृजन का अनूठा उदाहरण बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 93वें संस्करण में योगी आदित्यनाथ सरकार के इस प्रयास की काफी सराहना की। शहरों को संवारने के प्रदेश सरकार के सपनों को साकार करते हुए मेरठ नगर निगम ने निष्प्रयोज्य वस्तुओं से कम लागत में ही शहर की आभा में चार चांद लगा दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह प्रयास पर्यावरण की सुरक्षा और शहर के सुंदरीकरण से जुड़ा है। निष्प्रयोज्य वस्तुएं स्क्रैप, पुराने टायर, कबाड़, खराब ड्रम से भी कम खर्चे में कैसे शहर को संवारा जा सकता है, मेरठ इसकी बानगी है। कम खर्चे में सार्वजनिक स्थलों का सुंदरीकरण कैसे हो, यह अभियान इसकी मिसाल है। खराब पड़ी चीजों का प्रयोग कर शहर को सजाया गया। गांधी आश्रम चौराहा, गढ़ रोड पर लोहे के स्क्रैप, पुराने पहियों से फाउंटेन निर्मित कराया गया। सर्किट हाउस चौराहे पर लाइट ट्री, पुराने बेकार ड्रमों से स्ट्रीट इंस्टलेशन, हाथ ठेली के बेकार पहियों से बैरिकेडिंग कर मिनी व्हील पार्क, जेसीबी के पुराने टायरों से डिस्प्ले वॉल, पार्कों में बैठने के लिए स्टूल मेज आदि की व्यवस्था की गई। मेरठ नगर निगम ने शहर को चमकाने के लिए अनोखे प्रयोग किए, जो काफी सफल रहे। दरअसल नगर निगम में बने गोदाम में पड़े कबाड़ की न तो उचित कीमत मिल रही थी और न ही इसका सही उपयोग एवं निपटान हो रहा था, पर योगी सरकार की पहल पर नगर आयुक्त अमित पाल शर्मा ने शहर को जगमगाने का निर्णय लिया। लाइटिंग वाला कृत्रिम पेड़ भी न सिर्फ लोगों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। इसकी आभा देख लोग निहाल और अचंभित हो रहे हैं।

कबाड़ से जुगाड़ का मतलब है बेकार पड़ी चीजों से कुछ उपयोगी या रचनात्मक बनाना, जैसे कि कचरे से सुंदर सजावटी वस्तुएं, या बेकार प्लास्टिक से जूते–चप्पल बनाना। ग्रामीणों ने कबाड़ से एक सुंदर स्वच्छता पार्क बनाया, जिसमें सजावटी वस्तुएं, आरामदायक बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित कलाकृतियां शामिल हैं। बच्चों को सिखाने के लिए कबाड़ के सामान से खिलौने बनाए जा सकते हैं, जैसे कि टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, रबर बैंड नाव, टेबल लैंप, वाटर प्यूरीफायर आदि। बेकार लकड़ी, प्लास्टिक और अन्य सामग्रियों से फर्नीचर बनाया जा सकता है, जैसे कि टेबल, कुर्सी, और अलमारी। कबाड़ से कलाकृतियां बनाई जा सकती हैं, जैसे कि पेंटिंग, मूर्तिकला, और सजावटी वस्तुएं। पुराने कपड़ों से नए कपड़े या बैग बनाए जा सकते हैं। कबाड़ से खाद और अन्य उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जो खेती के लिए उपयोगी हो सकती हैं। जयपुर फुट, यह एक कृत्रिम अंग है जो कम लागत में बनाया जाता है और यह 'जुगाड़' मानसिकता का एक बेहतरीन उदाहरण है।

प्लास्टिक के कबाड़ को रिसाइकल करके उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जैसे कि प्लास्टिक दाना जो फुटवियर फैक्ट्रियों में इस्तेमाल होता है। कबाड़ से विभिन्न उपकरण बनाए जा सकते हैं, जैसे कि पानी फिल्टर, यांत्रिक उपकरण आदि। कबाड़ से सजावटी वस्तुएं बनाई जा सकती हैं, जैसे कि विंड चाइम, फोटो फ्रेम, फूलों के गमले, आदि। जो सामान घर में उपयोग ना हो तो वह कबाड़ में तब्दील हो जाता है। इसके बाद उसे ऐसे ही बाहर फेंक दिया जाता है। अगर यही कबाड़ आपकी सेहत बनाने का काम करने के साथ ही गांव और शहर की सुंदरता में चार चांद लगा दे तो यह अपने आपमें चर्चा एवं अनुकरणीय उदाहरण बन जाता है। कुछ ऐसा ही किया है आदिवासी ग्राम पंचायत बरेलीपार के लोगों ने, खेतों में उपयोग होने वाले औजारों सहित घर की खराब वस्तुओं का उपयोग कर ग्रामीणों ने ऐसा काम किया कि जो भी देखता है तो दंग रह जाता है। कबाड़ से ग्रामीणों ने स्वच्छता पार्क बनाने के साथ ही हेलीकॉप्टर तक बना दिया। कबाड़ के जुगाड़ से ग्रामीणों ने सुंदर पार्क का निर्माण किया तो लोगों की सेहत बनाने में भी कारगर साबित हो रहा है। आज दुनिया के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, जिसमें से ई–वेस्ट एक नई उभरती विकराल एवं विकंवसक समस्या भी है। दुनिया में हर साल 3 से 5 करोड़ टन ई–वेस्ट पैदा हो रहा है। ग्लोबल ई–वेस्ट मॉनिटर के मुताबिक भारत सालाना करीब 20 लाख टन ई–वेस्ट पैदा करता है और अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद ई–वेस्ट उत्पादक देशों में 5वें स्थान पर है।

शादी पाकिस्तान में, नागरिकता भारत की

—संदीप सृजन—

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया तो एक नया मुद्दा सार्वजनिक हो उठा। भारत की महिलाओं की पाकिस्तान में शादी हुई और वे भारत में रह कर बच्चें पैदा कर रही है। यह मुद्दा तब और जटिल हो जाता है जब इन महिलाओं के बच्चे या पति पाकिस्तानी नागरिकता रखते हैं। इस दौरान, कई ऐसी महिलाएं सामने आई जिनके पास भारतीय पासपोर्ट था लेकिन उनके पति या बच्चे पाकिस्तानी नागरिक थे। इन मामलों ने यह सवाल उठाया कि क्या ऐसी व्यवस्था भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है।

हम देखे कि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध हमेशा से तनावपूर्ण रहे हैं। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक कारणों से दोनों देशों के बीच विश्वास की कमी रही है। हाल के दिनों में, एक नया मुद्दा चर्चा में आया है जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संरचना के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। यह मुद्दा है पाकिस्तान में शादी करने वाली भारतीय महिलाओं का भारत की नागरिकता बनाए रखना। कुछ लोग इसे केवल व्यक्तिगत पसंद या पारिवारिक मामला मान सकते हैं लेकिन गहरे विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि यह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक एकता और भारत की संप्रभुता पर गंभीर सवाल उठाता है।

भारत का संविधान एकल नागरिकता की व्यवस्था करता है जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति एक साथ दो देशों का नागरिक नहीं हो सकता। नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत, भारतीय नागरिकता प्राप्त करने, निर्धारित करने और रद्द करने के नियम स्पष्ट हैं। फिर भी, हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां भारतीय महिलाएं, जिन्होंने पाकिस्तान में शादी की है, भारत की नागरिकता बनाए रखती हैं। कुछ मामलों में, ऐसी महिलाएं अपने पाकिस्तानी पति और बच्चों के साथ भारत में रह रही हैं या बार–बार भारत–पाकिस्तान के बीच यात्रा कर रही हैं। पाकिस्तान के साथ भारत का रिश्ता हमेशा से संवेदनशील रहा है। सीमा पर तनाव, आतंकवादी हमले, और जासूसी के मामले दोनों देशों के बीच अविश्वास को बढ़ाते हैं। ऐसे में, भारतीय नागरिकता रखने वाली महिलाएं, जो पाकिस्तानी नागरिकों से विवाहित हैं, संभावित रूप से जासूसी या आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल हो सकती हैं। यह केवल एक आशंका नहीं है, बल्कि हाल के कुछ मामलों ने इस खतरे को उजागर किया है।

उदाहरण के लिए, सीमा हैदर का मामला चर्चा में रहा है। सीमा, जो पाकिस्तान की नागरिक थीं, ने नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया और एक भारतीय नागरिक सचिन मीणा से शादी की। हालांकि सीमा ने दावा किया कि उन्होंने हिंदू धर्म अपना लिया और भारत में रहना चाहती हैं लेकिन उनके अवैध प्रवेश और पाकिस्तानी पृष्ठभूमि ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। ऐसे मामलों में यह सवाल उठता है कि क्या ऐसी शादियां केवल व्यक्तिगत प्रेम कहानियां हैं, या इनके पीछे कोई सुनियोजित साजिश हो सकती है। कुछ सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा किया गया है कि ऐसी शादियां भारत में "स्लीपर सेल" बनाने का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि ये दावे पूरी तरह सत्यापित नहीं हैं लेकिन यह सच है कि भारत की उदार नागरिकता नीतियों का दुरुपयोग संभव है, विशेष रूप से, पाकिस्तान जैसे देश के साथ, जहां आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। ऐसी शादियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं।

प्रेम संबंध के शक में युवक की हत्या, पति ने पत्नी की मदद से बुलाकर पीट-पीटकर मार डाला

संवाददाता–कुशीनगर। रवींद्रनगर थाना क्षेत्र के पटखौली गांव में रविवार रात प्रेम संबंध के शक में 27 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मुन्ना पुत्र श्रवण कुमार के रूप में हुई है। घटना रात करीब 10 बजे गणेशी पट्टी मार्ग के पास एक बगीचे में हुई।

परिजनों का आरोप है कि हत्या पड़रौना कोतवाली क्षेत्र के बलुचहां हरिजन बस्ती निवासी नथुनी और उसकी पत्नी सीमा ने मिलकर की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

मृतक के भाई ने बताया कि मुन्ना शनिवार को ही प्रदेश से कमाकर लौटा था। सीमा नामक महिला, जो तीन बच्चों की मां है, पहले से ही उससे प्रेम संबंध रखती थी। महिला ने कथित तौर पर अपने भाई की शादी के नाम पर मुन्ना से 20 हजार रुपए मांगे। मुन्ना ने बताया कि वह इतनी कमाई नहीं कर पाया।

रविवार की शाम महिला ने अपने पति की मदद से मुन्ना को बुलवाया और फिर बगीचे में ले जाकर डंडों से हमला कर दिया। बाद में उसकी चचेरी बहन को सूचना दी गई कि मुन्ना शराब के नशे में बेसुध पड़ा है।

सीओ सदर अभिषेक अजेय ने बताया कि जांच में यह सामने आया है कि मृतक मुन्ना का संबंध रिश्तेदारी की महिला से था। आरोपी नथुनी ने पत्नी को मुन्ना के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखने के बाद गुस्से में आकर उसके सिर पर डंडे से वार किया। पुलिस ने नथुनी उर्फ चईती को हिरासत में ले लिया है और मामले में विधिक कार्रवाई जारी है। गांव में फिलहाल शांति व्यवस्था बनी हुई है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के चमारन पुरवा निवासी एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव सोमवार को उसी के कमरे में बड़ेर में दुपट्टे के फंदे के सहारे लटका मिला। सूचना पर पहुंची इकौना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है।

इकौना क्षेत्र के ग्राम भलुहिया दसौंधी के मजरा चमारन पुरवा निवासी मालिकराम गौतम ने अपनी पुत्री नेहा (20) का विवाह गोंडा के इटियाथोक क्षेत्र के ग्राम गुरदन डिहवा में तय कर रखा था। 22 मई को नेहा की बारात आनी थी। घर में शादी की सभी तैयारी पूरी हो चुकी थी। रविवार रात नेहा ने अपने होने वाले पति अमित कुमार पुत्र रामदीन गौतम से मोबाइल पर बात की थी। इस बीच अचानक किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। इसके बाद नेहा ने अपना फोन बंद कर लिया था। सोमवार सुबह जगे परिजनों ने देखा कि नेहा का शव घर की बड़ेर में दुपट्टे के फंदे के सहारे लटक रहा है। इसकी जानकारी सुबह परिजनों ने इकौना पुलिस को दी। फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया बाद में उसे पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार दुबे ने बताया कि मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। इसके कारणों की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चलेगा। उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

एक ही कमरे में फंदे से लटके मिले प्रेमी–प्रेमिका

संवाददाता–श्रावस्ती। युवक और युवती का शव एक साथ फांसी के फंटे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। दोनों ने ये आत्मघाती कदम क्यों उठाया इसका अभी पता नहीं चल सका है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उतरवाकर कब्जे में ले लिया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्रित किया। वहीं, पुलिस ने पंचनामा करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

इकौना थाना क्षेत्र के सोनरई गांव का है। बाबू राम का 19 साल का बेटा अंकित का गांव के ही रने वाली सुषमा के साथ प्रेम संबंध था।

दरअसल रविवार रात अंकित खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था। सुबह जब वह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आया तो उसके बाबा रूम में पहुंचे। जहां अंकित के साथ सुषमा का शव फंदे से लटकता देख चीख पड़े। शोर सुनकर अन्य परिजन भी कमरे में पहुंचे। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

वहीं, फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्रित किए। जानकारी के मुताबिक युवक के माता पिता और युवती के पिता परदेश में रहकर मजदूरी करते है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसों में बाइक सवार युवक की मौत, चार घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। अलग अलग सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक को मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया वहीं पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली भिनगा क्षेत्र के सकटूपुर निवासी महेश कुमार (17) पुत्र ननके सोमवार को बाइक से किसी काम से इकौना जा रहा था। सेमरी चौराहे पर पहुंचते ही पीछे से बस में टकरा गया। इससे मौके पर ही उसको मौत हो गई। लोगों की ओर से हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इसी तरह नेशनल हाइवे 730 पर बिलरवा मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार थाना विशेश्वर गंज के सरकाही गांव निवासी राज कुमार (45) व राजेश कुमार (25) गंभीररूप से घायल हो गए। जिन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहीं बहराइच के पयागपुर थाना क्षेत्र स्थित वीरपुर गांव निवासी घनश्याम (48) बाइक से गिलौला आया था। इस दौरान सुबिखा मार्ग पर इण्डेन गैस एजेंसी के पास अनियंत्रित होकर गिर गया और गंभीररूप से घायल हो गया। लोगों ने एम्बुलेंस से गिलौला सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से उसे बहराइच रेफर कर दिया गया। रविवार देर शाम को सिरसिया के टिटिहिरिया निवासी दिलीप वर्मा बाइक से भिनगा से घर जा रहा था। चौलाही मोड़ के पार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें दिलीप घायल हो गया। जिसे एंबुलेंस से सीएचसी सिरसिया में भर्ती कराया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया।

बारिश के बीच मासूम पर गिरी आकाशीय बिजली, मौत

संवाददाता–बहराइच। आकाशीय बिजली गिरने से सात साल के एक बच्चे की मौत हो गई। बच्चा टिन शेड के नीचे बैठा हुआ था अचानक बिजली की चपेट में आकर गम्भीर झुलस गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। परिवार में कोहराम मच गया। हादसे की जानकारी होते ही एसएचओ जयदीप दुबे पुलिस बल सहित पहुंचे। उन्होंने राजस्व टीम को हादसे की जानकारी दी। राजस्व अधिकारी भी पहुंचे हैं। खैरीघाट थाने के पिपरिया के मजरे पंडितपुरवा गांव में सोमवार सुबह अचानक बादलों का जमावड़ा हुआ और बिजली कड़कने लगी। तेज गरज और हवाओं के साथ बारिश होने लगी। तेज गरज के साथ हवाएं चलने लगीं।

बारिश से बचने के लिए सात साल का बच्चा विमल कुमार पुत्र राम सहारे अपने घर के टिन शेड में बैठ गया। उसी शेड पर बिजली गिर गई। हादसे के परिजनों में कोहराम मच गया। बालक की मौत से गांव के लोग स्तब्ध हो गए। गांव में सन्नाटा पसर गया। पुलिस को सूचना दी गई । थानाध्यक्ष जयदीप दुबे पहुंचे। राजस्व महकमे के अफसर भी पहुंचे उनकी मौजूदगी में पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

इलाज के दौरान मरीज की मौत, परिजनों ने निजी अस्पताल में किया हंगामा

संवाददाता–देवरिया। शहर के सावित्री नर्सिंग होम में सोमवार की सुबह इलाज के दौरान एक मरीज की मौत हो गई। आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल पर जमकर हंगामा किया और देवरिया–गोरखपुर मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे करीब 20 मिनट तक प्रभावित रहे। मौके पर पहुंची पुलिस ने जाम को समाप्त कराया। खुखुंदू थाना क्षेत्र के ग्राम अधैला निवासी अशोक 60 पुत्र रमाशंकर यादव के सीने में तेज दर्द की शिकायत होने पर एक मई की देर रात में परिजनों ने शहर के राजकीय आईटीआई के सामने स्थित सावित्री नर्सिंग होम में भर्ती कराया। धीरे–धीरे उनकी तबीयत में सुधार हो रहा था। मृतक के पुत्र नवनीत यादव ने कोतवाली पुलिस को दिए तहरीर में आरोप लगाया है कि चार घंटे के इलाज के बाद ही उनके पिता के स्वास्थ्य में काफी सुधार हो गया था, लेकिन पैसे बढ़ाने के उद्देश्य से अस्पताल प्रशासन की ओर से उन्हें डिस्चार्ज नहीं किया जा रहा था। तीन मई को परिजनों ने डिस्चार्ज करने की बात कही, लेकिन अस्पताल प्रशासन इसे टालता रहा। सोमवार की सुबह उनके पिता अशोक की अस्पताल में ही मृत्यु हो गई। उन्होंने पुलिस से अस्पताल के जिम्मेदारों पर मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। उधर, हंगामा व जाम की सूचना पर सीओ सिटी संजय रेड्डी और कोतवाल दिलीप सिंह मय फोर्स अस्पताल पहुंचे और परिजनों को शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस के पहुंचने के बाद मुख्य मार्ग पर लगा जाम समाप्त हुआ।

मस्जिद का सार्वजनिक भूमि का हिस्सा ढहाया

संवाददाता–महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मर्यादपुर में पैमाइश के बाद मस्जिद के सार्वजनिक जमीन पर निर्माण वाला हिस्सा सोमवार को ढहा दिया गया। राजस्व टीम ने पुलिस की मौजूदगी में जमीन कब्जामुक्त कराई। ग्राम पंचायत मर्यादपुर स्थित मस्जिद का कुछ हिस्सा सार्वजनिक जमीन पर होने की शिकायत हुई थी। पैमाइश में शिकायत पुष्ट होने पर दो दिन पूर्व राजस्व विभाग की टीम ने नोटिस देकर जमीन मुक्त कराने का निर्देश दिया। इसके बाद सोमवार दोपहर में पहुंची स्थानीय पुलिस व राजस्व की टीम ने मजदूरों के माध्यम से मस्जिद के सार्वजनिक जमीन पर निर्मित हिस्से को ढहा दिया।

एसडीएम नवीन प्रसाद ने अपनी मौजदूगी में जमीन कब्जामुक्त कराई। बना मान्यता चल रहे दो मदरसे बंद कराए महराजगंज। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नीरज अग्रवाल ने सोमवार को भी मदरसों की जांच की। सोनपिपरी एकडंगा व खैरहवा में दो मदरसे बिना मान्यता के मिले। इस पर उन्होंने मदरसा संचालकों को नोटिस देकर बंद करने का निर्देश दिया।

युवती का अपहरण, एक को नामजद कर एफआईआर दर्ज

संवाददाता–बहराइच। हुजूरपुर इलाके के एक गांव निवासी युवती का तीन दिनों पूर्व अपहरण हो गया। परिजनों ने सभी संभावित जगहों पर तलाश की । पता न चलने पर गांव के ही युवक के मोबाइल पर काल की। तो युवक ने जान से मारने की धमकी दी है। पीड़ित पिता ने गांव से गायब इस युवक को नामजद कर अपहरण व धमकी की धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया है। पुलिस अपहृता व नामजद की तलाश कर रही है। हुजूरपुर थाने के एक गांव की 20 वर्षीय युवती तीन मई से घर से लापता है। युवती घर से निकली जब काफी समय बीतने पर भी घर नही आई। तो परिजनों ने उसकी सभी संभावित जगहों पर तलाश की । इसी दौरान पता चला कि गांव का एक युवक उसी दिन से लापता है। जब उस युवक के मोबाइल पर काल की गई। तो तमाम तरह की धमकी दी गई। पिता ने थाने पहुंच आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। उस आधार पर अपहरण व धमकी की धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। एसएचओ बृजेन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि अपहत युवती व आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है।

सड़क पर पड़े दो घायलों को कार ने रौंदा,लोग वीडियो बनाते रहे

संवाददाता–बहराइच। लोगों की आंखों से संवेदना का पानी शायद सूख चुका है तभी तो सड़क पर पड़े घायलों को लोग उठाने के बजाय वीडियो बनाते रहे इस बीच इनोवा कार उन्हें रौंदते निकल गई। दोनों गम्भीर हालत में ट्रामा सेंटर रेफर किए गए हैं। घटना रानीपुर थाने के बहराइच कर्नेलगंज रोड पर सोमवार दोपहर लगभग 1:30 बजे गोबरहा चौराहे के पास दोपहर में एक बजे के आसपास हुई। यहां उल्टी दिशा में आ रही बाइकों में भिड़ंत हो गई। जिसके चलते दोनों बाइक सवार युवक घायल हो सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान हुजूरपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार इनोवा कार दोनों घायलों को रौंदती हुई शहर की ओर निकल गई।

दोनों घायल काफी देर तक सड़क पर पड़े घायल कराहते रहे। सड़क पर तमाशबीन वीडियो बनाते रहे। किसी ने घायलों को उठाने या एम्बुलेंस बुलाने की जहमत नहीं की। किसी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के आने तक घायल पड़े रहे। पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज भेजा गया। दरअसल इनोवा कार हुजूरपुर की ओर से तेज रफ्तार आ रही थी। जो दोनों घायलों को रौंदते निकली। सूचना पर पहुंचे प्रभारी थानाध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने तत्काल घायलों हुजूरपुर थाने के करैला शहबाजपुर निवासी उदय प्रताप सिंह(22) पुत्र धनंजय सिंह, दूसरी बाइक के सवार फखरपुर थाने के बंभौरा निवासी शिव कुमार(25) पुत्र राम समुझ को एंबुलेंस पर लादकर मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। वहां से ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। घायलों के परिजनों को दुर्घटना की जानकारी दी गई। पुलिस फरार इनोवा कार की तलाश को सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

कलश यात्रा में जल भरने गए युवक की डूबने से मौत

संवाददाता–देवरिया। बनकटा थाना क्षेत्र के ग्राम बैदौली बुजुर्ग में नवनिर्मित एक मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए सोमवार को कलश यात्रा निकाली गई। भाटपाररानी थाना क्षेत्र के चनुकी घाट पर जल भरने के दौरान अचानक गहरे पानी में चले जाने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक बच गए। बनकटा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की खबर सुनते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई और यज्ञ रोक दिया गई। ग्राम बैदौली बुजुर्ग में निजी भूमि में एक व्यक्ति ने राधा कृष्ण और महादेव का मंदिर बनाया है। मंदिर में राधा कृष्ण और महादेव की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा के लिए सुबह 10 बजे कलश यात्रा निकली थी। यात्रा बैदौली बुजुर्ग से अकटही, फुलवरिया होते चनुकी घाट दोपहर में पहुंची। कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के जल भरने के दौरान तीन युवक शांतनु पांडेय 18, अजीत पांडेय 21 पुत्र मार्कंडेय पांडेय उर्फ पंकज एवं उजाला पांडेय 18 पुत्र अनिल पांडेय निवासी ग्राम बैदौली बुजुर्ग अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। यह देख आसपास के लोग तीनों को बचाने लगे। अजीत पांडेय और उजाला पांडेय को तत्काल लोग बाहर निकाले। थोड़ी देर बाद शांतनु पांडे को भी बाहर निकाल कर तीनों को भाटपाररानी पीएचसी ले आए, जहां डॉक्टर ने शांतनु पांडेय को मृत घोषित कर दिया। अजीत पांडेय तथा उजाला पांडेय को प्राथमिक उपचार के बाद हालत ठीक होने पर घर भेज दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष नवीन चौधरी ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत की खबर सुनकर पूर्व विधायक आशुतोष उपाध्याय अस्पताल पहुंच कर परिजनों को ढांढस बंधाए। भाटपाररानी। शांतनु पांडेय के मौत की खबर सुनते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और यज्ञ रोक दिया गया। लोगों ने बताया कि अब केवल पूजा पाठ कर प्राण प्रतिष्ठा कर दी जाएगी। मृतक शांतनु दो भाइयों में छोटा और बड़ा होनहार था। बड़ा भाई अजीत पांडेय है जो बच गया है। इसकी एक बहन है। माता और पिता पंकज पांडेय का रो–रोकर बुरा हाल था। वह अपने दोनों पुत्रों को बड़ी उम्मीद से पढ़ा लिखा रहे थे। इस घटना से परिवार मर्माहत हो चला है।

ग्राम प्रधान की बहू का संदिग्ध परिस्थिति में फंदे से लटका मिला शव

संवाददाता–देवरिया। तरकुलवा थाना क्षेत्र की एक महिला ग्राम प्रधान की बहू का शव सोमवार की सुबह कमरे में फंदे से लटका मिला। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने जांच की। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होने की बात कह रही है। बताया जा रहा है कि महिला की इन दिनों तबीयत खराब चल रही थी। तरकुलवा थाना के ग्राम रामपुर धौताल की उषा देवी ग्राम प्रधान हैं। सोमवार की सुबह उनकी बहू सुनीता यादव (32) पत्नी अभिमन्यु बच्चों को भोजन कराने के बाद स्कूल कसया कुशीनगर भेज दी। ससुर रविन्दर यादव दूध लेने तरकुलवा तो पति किसी की पंचायत करने चले गए। गांव की एक महिला सुबह साढ़े आठ बजे ग्राम प्रधान के घर पहुंची तो देखा कि कोई नहीं है। जब सुनीता के कमरे की तरफ गई तो अवाक रह गई। साड़ी के फंदे से छत की कुड़ी से सुनीता का शव लटक रहा था। यह बात महिला ने तत्काल लोगों को बताई। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई और शव को नीचे उतारा। ग्राम प्रधान का कहना है कि सुनीता की तबीयत छह माह से खराब चल रही थी। इसके चलते ही वह परेशान थी। थाना प्रभारी सदानंद यादव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

कूड़े की ढेर में लगी आग, दो कार जली

संवाददाता–देवरिया। शहर के राम गुलाम टोला में सड़क के किनारे कूड़े की ढेर में लगी आग से सोमवार की सुबह दो कार जल कर राख हो गई। मौके पर पहुंची अग्निशमन टीम ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। शहर के राम गुलाम टोला में सड़क के किनारे कूड़ा रखा गया है। कूड़े पर ही दो कार खड़ी थीं। सुबह आठ बजे अचानक कूड़े में आग लग गई और देखते ही देखते आग तेजी से फैलने लगी। मोहल्ले के लोगों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। इसके बाद लोगों ने अग्निशमन टीम को इसकी जानकारी दी। मौके पर पहुंची अग्निशमन टीम ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन कूड़े की ढेर में खड़ी दो कार भी जल गई।

तेज हवाओं के साथ एक घंटे हुई झमाझम बारिश, गिरे ओले

संवाददाता–बलरामपुर। मौसम करीब चार घंटे तक सड़क किनारे भरा रहा पानी, लोगों को आवागमन में उठानी पड़ी परेशानी एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश से गन्ना फसल को पहुंचा फायदा, खेतों में पर्याप्त नमी होने से जुताई हुई आसान बलरामपुर, संवाददाता। मई माह के प्रथम सप्ताह में सोमवार को तेज हवाओं के साथ करीब एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई साथ ही करीब 15 मिनट तक ओलावृष्टि भी होती रही। बरसात होने से एक ओर जहां मौसम खुशनुमा हो गया वहीं दूसरी ओर भारी बारिश से नगर की गलियों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई। करीब चार घंटे तक सड़क किनारे पानी भरा रहा।

जिससे लोगों को आवागमन में भी समस्या उठानी पड़ी। एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश से गन्ना फसल को फायदा पहुंचा है। खेतों में पर्याप्त नमी होने से किसानों को जुताई में खासा लाभ होगा। जिले में सोमवार सुबह लगभग साढ़े 12 बजे मौसम ने अचानक करवट ले ली। आसमान में काले बादल छा गए। थोड़ी ही देर में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। करीब 15 मिनट तक ओलावृष्टि भी हुई। कृषि विभाग के मुताविक इस बरसात से गन्ना फसल को फायदा पहुंचा है। गेहूं की फसल लगभग इसलिए बरसात से फसलों को नुकसान होने की संभावना नहीं है। करीब एक घंटे तक हुई बरसा से खाली पड़े खेतों में पर्याप्त नमी होने से किसानों को जुताई के लिए सिंचाई नहीं करनी पड़ेगी। दो से तीन दिन में खेत जुताई के योग्य हो जाएंगे, जिससे किसानों को लाभ मिलेगा। पिछले कुछ दिनों से जिले का तापमान 40 डिग्री से ऊपर चला गया था। सोमवार को हुई बरसात से तापमान में गिरावट आई है। प्रशासन की ओर सोमवार सुबह ही बारिश व तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया था। तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू होते ही जिले की विद्युत अपूर्ति बाधित हो गई। करीब दो घंटे तक नगर की आपूर्ति बाधित रही। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में देर शाम तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। बिजली न होने से लोगों को खासा परेशानी उठानी पड़ी। लोकल फाल्ट दूर करने में बिजली कर्मी युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं। झमाझम बारिश ने खोल दी नपाप की पोल सोमवार को हुई झमाझम बारिश ने नगर पालिका की पोल खोलकर रख दी। पीपल तिराहा से लेकर वीर विनय चौराहा तक करीब चार घंटे तक सड़क के दोनों किनारे जल भराव रहा, जिससे लोगों को घरों व दुकानों तक पहुंचने के लिए परेशानी उठानी पड़ी। नालियों में कचरा व सिल्ट जमा होने के कारण जल निकासी बाधित रही। जल भराव होने से लोगों में आक्रोश दिखाई पड़ा। नगर वासियों ने कहा कि समय से नालियों की सफाई नहीं होती है, जिस कारण बरसात होने पर इसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ता है। हॉलाकि नपाप की ओर से नए शहर पनाह नाले का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, लेकिन अभी उसे संचालित न करने के कारण यह समस्या गंभीर रूप ले रही है। नगर वासियों का कहना है कि नपाप प्रशासन को जल्द से जल्द नव निर्मित नाले का संचालन शुरू कराया जाए ताकि लोगों को जल निकासी की समस्या से निजात मिले सके। जल भराव की समस्या से लोगों को हुई परेशानी उतरौला में सोमवार दोपहर में हुई झमाझम बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत पहुंचायी। बरसात शुरू होते ही क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। यहां पर भी सड़क किनारे नालियां भठी होने के कारण जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई। श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौराहा, विनय मेडिकल स्टोर, गौसिया स्कूल एवं बाबा होटल व लालगंज तिराहा सहित प्रमुख स्थानों पर जल भराव होने के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतें उठानी पड़ी। दुकानदारों ने बताया कि जलभराव होने से करोबार भी प्रभावित हुआ है। वहीं क्षेत्रवासियों के मुताविक खुले में रखे ट्रांसफार्मर एवं जर्जर बिजली पोल में बरसात के मौसम में करंट उतरने की संभावना बनी रहती है। इसी तरह तुलसीपुर, शिवपुरा, श्रीदत्तगंज, ललिया, रेहरा बाजार सहित अन्य स्थानों पर करीब एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई।

सभासद उप चुनाव में कल्प हुसैन को मिली जीत

संवाददाता–बलरामपुर। नगर पंचायत गैसड़ी सभासद उप चुनाव कल्प हुसैन ने राम नरेश साहू को 63 मतों से पराजित कर दिया। सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच तुलसीपुर तहसील सभागार में सभासद उप चुनाव की मतगणना कराई गई। कल्प हुसैन के समर्थकों ने जिंदाबाद के नारे लगाए और खुशी प्रकट की। वार्ड नम्बर–11 लठावर में चार माह पूर्व निर्वाचित सभासद ओम प्रकाश साहू का निधन हो गया था। सीट रिक्त होने के कारण उप चुनाव कराना पड़ा। अली हुसैन, कल्प हुसैन, रईस अहमद व नरेश ने यहां चुनाव लड़ा। यहां कुल 711 मत थे। जिसके सापेक्ष 449 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुल 63.15 प्रतिशत मतदान हुआ था। 252 महिलाओं व 197 पुरुषों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। सोमवार को तुलसीपुर तहसील सभागार में मतगणना करायी गई। मतगणना प्रातरू आठ बजे शुरू हुई, जो दस बजे समाप्त हो गई। शुरुआती दौर में ही कल्प हुसैन ने बढ़त ले ली। कल्प हुसैन को कुल 206 मत मिले। राम नरेश साहू को 143 मतों से ही संतोष करना पड़ा। रईस अहमद को 97 मत मिले। तीन मत अवैध पाए गए। आरओ सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि कल्प हुसैन 63 मतों से विजयी घोषित किये गए हैं। उनके जीत की घोषणा होते ही लोगों ने उन्हें कंधे पर बैठा लिया। कल्प हुसैन जिंदाबाद के नारे लगाए। कल्प हुसैन ने बताया कि वह विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़े हैं। आने वाले समय में वार्ड का विकास करना ही उनका उद्देश्य होगा।

चौक बाजार में आग का कहर, महिला बुरी तरह झुलसी

संवाददाता–महराजगंज। नगर पंचायत चौक के लोहिया नगर में सोमवार को अचानक आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से एक महिला बुरी तरह झुलस गई। वहीं एक गाय और बछड़ा गंभीर रूप से झुलस गए। सूचना मिलते ही नगर पंचायत की टीम टैंकर और कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लोहिया नगर निवासी सुदर्शन वर्मा की 55 वर्षीय पत्नी एकमा देवी घर के पास मवेशियों को चारा दे रही थीं। इसी बीच अचानक आग भड़क गई। आग इतनी तेज थी कि एकमा देवी, गाय और बछड़ा आग की लपटों में घिर गए।

शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। नगर पंचायत की टीम ने तत्काल टैंकर से पानी डालकर आग बुझाई, लेकिन तब तक एकमा देवी बुरी तरह झुलस चुकी थीं। स्थानीय लोगों की मदद से एकमा देवी को पहले महराजगंज जिला अस्पताल लाया गया, जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर देख उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहीं गाय और बछड़े की भी हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

सभासद के एक पद पर निर्दल, दूसरे पर सपा का कब्जा, भाजपा की दोनों सीटों पर हार

संवाददाता–अयोध्या। नगर पंचायत बीकापुर और खिरौनी सुचितागंज में सभासद पद के उपचुनाव में निर्दल और समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने जीत दर्ज की है। दोनों सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है। सोमवार को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित किए गए। नगर पंचायत बीकापुर में सभासद पद के लिए नगर निकाय उपचुनाव में वार्ड संख्या तीन में निर्दल उम्मीदवार अंकिता कनौजिया ने भाजपा उम्मीदवार को रिकॉर्ड मतों से हराकर जीत दर्ज करके सभी को चौंका दिया। सोमवार सुबह तहसील सभागार में शुरू हुई मतगणना के बाद निर्दल उम्मीदवार अंकिता को 399 मत प्राप्त हुए। जबकि भाजपा उम्मीदवार गायत्री देवी को 290 मत पर ही संतोष करना पड़ा। अंकिता कनौजिया 109 मतों से विजई घोषित की गईं।

निर्वाचन अधिकारी खंड विकास अधिकारी हरिश्चंद्र सिंह ने अंकिता को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। अनुसूचित महिला जाति के लिए आरक्षित वार्ड संख्या तीन तेंदुआमाफी की सभासद रहीं राधा कनौजिया का कुछ माह पहले बीमारी के चलते निधन हो गया था। उनके निधन के बाद उपचुनाव कराया गया। उप चुनाव में विजेता उम्मीदवार अंकिता दिवंगत सभासद राधा कनौजिया की बहू हैं। इसी तरह सोहावल के नगर पंचायत खिरौनी सुचितागंज में संपन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में वार्ड संख्या एक विसुहिया में सभासद पद पर हुए चुनाव की मतगणना में पहले राउंड में ही भाजपा प्रत्याशी बिंदु रावत से सपा प्रत्याशी पार्वती देवी ने बढ़त बना ली। पार्वती देवी पहले राउंड में 228 मत पाकर भाजपा की प्रत्याशी से 107 मतों से बढ़त बना चुकी थीं।

पहले राउंड की मतगणना में सपा 228, भाजपा 101 और निर्दल लक्ष्मी को सात मत प्राप्त हुआ। दूसरे राउंड की गिनती में सपा 177, भाजपा 248 और निर्दल प्रत्याशी को तीन मत मिले। इस तरह सपा की पार्वती देवी भाजपा की बिंदु रावत से 36 मतों से विजयी हुईं। दोनों राउंड की मतगणना समाप्ति के बाद अंतिम परिणाम घोषित किया गया। इसमें भाजपा की बिंदु रावत को 369 व सपा प्रत्याशी पार्वती देवी को 405 मत मिले। एक वोट नोटा पर भी गया है।

इस प्रकार नगर पंचायत खिरौनी के उप चुनाव में भी यह सीट सपा के खाते में चली गई। यह सीट पहले भी सपा के खाते में गई थी। यहां की सपा सभासद तारा देवी के निधन के बाद यह सीट रिक्त हुई थी।

शारीरिक शिक्षा से बच्चे होते हैं ऊर्जावान–ओम प्रकाश आर्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आर्य वीर दल बस्ती द्वारा उमा पब्लिक स्कूल बस्ती में चलाए जा रहे सात दिवसीय शारीरिक बौद्धिक एवं चरित्र निर्माण शिविर के अन्तर्गत राहुल आर्य प्रशिक्षक आर्य वीर दल दिल्ली प्रदेश ने बच्चों को आत्मरक्षा के गुर सिखाते हुए नियुद्धम, सर्वांग सुन्दर व्यायाम का अभ्यास कराया। बौद्धिक सत्र में बच्चों को सात्विक आहार, उचित व्यवहार और कौशल वृद्धि के बारे में बताते हुए ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने कहा कि पाठ्यक्रम के साथ शारीरिक शिक्षा से बच्चे ऊर्जावान होते हैं। हम जैसा अन्न खाते हैं वैसा हमारा मन बन जाता है इसलिए सात्विक अन्न का सेवन करना चाहिए। कहा कि ईश्वर वह है जिसने सूरज और चंद्रमा आदि को बनाया है। हमारे खाने योग्य, फल, फूल, मेवा के साथ विभिन्न प्रकार के अनाज बनाए हैं फिर भी मूर्ख मानव मांसाहार का सेवन करके अपने मन को दूषित करते हैं। हमें इससे बचना चाहिए। प्रबन्धक अनूप कुमार मिश्र ने बच्चों को सिखाए जा रहे कौशल को एकाग्रतापूर्वक ग्रहण करने का सुझाव दिया और कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क रहता है और उसमें ही सकारात्मक विचार आते हैं। यह शिविर इन उद्देश्यों की पूर्ति में सहायक होगा। प्रधानाचार्य अनिल कुमार पाण्डेय ने बताया कि 'दिनांक 8 मई 2025 को सायं 4 बजे से बालक बालिकाओं का शौर्य प्रदर्शन होगा जिसमें सभी क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों और अभिभावकों को आमंत्रण दिया गया है।' इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने बच्चों को सीखने में सहयोग किया।

मादा भेड़िया भैरवी की गोरखपुर चिड़ियाघर में मौत

संवाददाता–गोरखपुर (बहराइच से लाई गई मादा भेड़िया (भैरवी) की सोमवार को चिड़ियाघर में मौत हो गई। मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। मौत के बाद से ही चिड़ियाघर प्रशासन सकते में है। क्योंकि कुछ दिन पहले पीलीभीत से लाए गए बाघ केसरी की भी चिड़ियाघर में मौत हो चुकी है। बहराइच से सितंबर 2024 में दो आदमखोर भेड़ियों को रेस्क्यू कर शहीद अशफाक उल्लाह खां प्राणी उद्यान में लाया गया था।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 70/2025

1. रणजीत सिंह उम्र 45 वर्ष 2. अरुण कुमार उम्र 41 वर्ष पुत्रगण स्व0 रामसुभग चौधरी साकिन हरिबन्धनपुर तप्पा बुढ़ही तहसील इटवा जिला–सिद्धार्थनगर

–प्रार्थी/आवेदक

बनाम

ईस्टेट

तारीख पेशी 30–05–2025

प्रा0 पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने मृत को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2025 के 05 के 30 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिव्यक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–

अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी अन्तिम अभिलेख बस्ती जिला–बस्ती

कमला

बनाम

उदयशंकर आदि

मौजा पिकौरा कुँवर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 1. प्रमोद कुमार 2. पिन्टू पुत्रगण सुवासचन्द्र 3. प्रेमलता 4. पुष्पलता पत्नी फतेबहादुर 5. विकास 6. प्रकाश 7. अनुराम 8. अविनाश 9. मयूर पुत्रगण फतेबहादुर 10. अनिल कुमार पुत्र बाबूराम 11. अजय कुमार 12. संजय कुमार 13. आशीष कुमार पुत्रगण रामकिशोर 14. विजय कुमार 15. माता प्रसाद पुत्रगण सुमेसर 16. रमेश 17. राजकरन 18. शिवकरन पुत्रगण जगराम 19. सत्य नरायन 20. सुखदेव नरायन 21. श्याम नरायन पुत्रगण उदयशंकर 22. ममता पत्नी हरिनरायन 23. सूरज पुत्र हरिनरायन 24. ज्योति श्रीवास्तव 25. प्रीति श्रीवास्तव पुत्रीगण श्रीनरायण 26. परसुराम 27. बलराम 28. सत्यराम पुत्रगण जगमोहन सभी निवासीगण ग्राम पिकौरा तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 29 अमित कुमार 30. आशीष कुमार पुत्रगण दुर्गा प्रसाद ग्राम बेलवाडाडी तप्पा देवराव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–05–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 15 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगे 6.50 लाख रुपये

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। राजकीय महामाया मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में एक महिला को चपरासी की नौकरी दिलाने के नाम पर साढ़े छह लाख रुपये ठगी का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर इब्राहिमपुर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू की है। इब्राहिमपुर के मुकुंदपुर कोल्हुआ चंद्रकांत के मुताबिक वह प्राइवेट नौकरी करते हैं। नवंबर 2023 में उनकी मुलाकात अलीगंज के अब्दलपुर निवासी अजहरुद्दीन से हुई। अजहरुद्दीन ने चंद्रकांत से उसकी एमए पास पत्नी रीता देवी को राजकीय महामाया मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में चपरासी की नौकरी दिलाने का वादा किया। इसके लिए सात लाख रुपये की डिमांड की। नौकरी नहीं दिलाने पर रुपये वापस करने की बात कही। चंद्रकांत अजहरुद्दीन के झांसे में आ गया। इसके बाद अलग–अलग समय में अजहरुद्दीन को ऑनलाइन माध्यम से तीन लाख 83 हजार 700 रुपये दिए। इसके अलावा जनसेवा केंद्र के माध्यम से एक लाख रुपये और एक लाख 70 हजार रुपये नकद दे दिए। कई माह बीत जाने के बाद नौकरी नहीं लगी तो चंद्रकांत ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर चपरासी की नौकरी के बारे में जानकारी ली तो उसे पता चला की इस प्रकार का कोई भर्ती नहीं निकली ही है।

जगदगुरू परमहंस आचार्य की सुरक्षा में कटौती

संवाददाता–अयोध्या। तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगदगुरु परमहंस आचार्य की सुरक्षा में कटौती की गई है। इसके बाद तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर ने गंभीर आरोप लगाते हुए तपस्वी छावनी पर कब्जे की आशंका व्यक्त करते हुए हनुमानगढ़ी से मदद मांगी है। जिस पर हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत और निर्वाणी अनी अखाड़ा के महासचिव के नेतृत्व में उज्जैनिया पट्टी के महंत संत रामदास के आवास पर हनुमानगढ़ी के संतों ने बैठक कर एकमत से तपस्वी छावनी पर किसी भी तरीके के कब्जे का विरोध करते हुए जगदगुरु परमहंस आचार्य का सहयोग करने की घोषणा करते हुए हनुमान जी की प्रतिमा भेंट की। दरअसल तपस्वी छावनी मंदिर पर काफी लंबे समय से विवाद चल रहा है। मंदिर के महंत जगदगुरु परमहंस आचार्य के गुरु सर्वेश्वर दास के निधन के बाद भी मंदिर पर कब्जे का प्रयास किया गया था। इसके बाद हनुमानगढ़ी की तरफ से तपस्वी छावनी पर जगदगुरु परमहंस आचार्य को महंत नियुक्त किया गया था। हनुमानगढ़ी के संतों की ओर से अब परमहंस आचार्य का समर्थन करने की घोषणा की गई है। संतों ने कहा कि तन, मन और धन से संत समाज तपस्वी छावनी को बचाने का प्रयास करेगा। तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगदगुरु परमहंस आचार्य ने आरोप लगाया कि उनके मंदिर और उनकी सुरक्षा हटा ली गई है। मंदिर पर कब्जा करने को लेकर किसी व्यक्ति की ओर से पहले सूचित किया गया था। जब हमने सूचना को सही नहीं माना तो फिर अचानक ही हमारे मंदिर और हमारी सुरक्षा हटा ली गई। इसके बाद यह स्पष्ट हो तो चुका है कि किसी भी समय एक संवैधानिक पद पर बैठे हुए व्यक्ति के इशारे पर हमारे मंदिर पर कब्जा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमको अपनी सुरक्षा और अपने स्थान की सुरक्षा को लेकर शंका उत्पन्न हुई है। हमारे गुरु और हमारी दोनों की महंती में अहम भूमिका हनुमानगढ़ी की थी। इसलिए हमने हनुमानगढ़ी को सूचना दी है और हनुमानगढ़ी ने हमारा सहयोग करने के लिए आश्वासन दिया है। निर्वाणी अनी अखाड़ा के महासचिव नंद रामदास ने कहा कि हम तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगदगुरु परमहंस आचार्य के साथ पहले भी थे और आज भी हैं। यदि पर किसी स्थान को विवादित करना यहां के लोगों की आदत बन चुकी है। प्रशासन हमारे साथ है। प्रशासन का काम है सबको न्याय दिलाना, उम्मीद है कि हमको न्याय मिलेगा।

डंपर की ठोकर से ई-रिक्शा सवार की मौत, तोड़फोड़-आगजनी, पुलिस को भी दौड़ाया

संवाददाता–गोरखपुर। थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव के सामने रविवार रात करीब सवा दस बजे मिट्टी लदे डंपर से ई–रिक्शा को ठोकर लग गई। हादसे में ई–रिक्शा सवार चार लोगों में से एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे से आक्रोशित लोगों ने तीन डंपरों को रोककर तोड़फोड़ करते हुए जमकर बवाल काटा। एक डंपर में आग भी लगा दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से लोगों को शांत कराया और तीनों घायलों को बीआरडी मेडिकल कॉलेज भिजवाया। मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। जानकारी के मुताबिक, चिलुआताल थाना क्षेत्र के विशुनपुर सप्तहिया गांव निवासी जवाहिर प्रसाद (43) रविवार रात में गोरखपुर से काम कर ई–रिक्शा से घर लौट रहा था। ई–रिक्शा पर कुल चार लोग सवार थे। सोनबरसा गांव के ईंट–भट्ठे के समीप मिट्टी की ढुलाई कर रहे एक डंपर ने ई–रिक्शा में ठोकर मार दिया। हादसे में ई–रिक्शा सवार जवाहिर प्रसाद की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सुनकर मौके पर जुटे लोग आक्रोशित हो गए और उस दौरान सड़क से गुजरे तीन डंपरों को रोककर तोड़फोड़ की। ग्रामीणों का गुस्सा देखकर डंपर चालक मौका देख भाग निकले। इनमें से एक डंपर में आग भी लगा दी। घटना की सूचना पर पहुंची चिलुआताल पुलिस ने घायल तीनों युवकों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया। करीब दो घंटे तक हंगामा चलता रहा। रात करीब 12 बजे अनियंत्रित भीड़ ने डंपरों में तोड़फोड़ के बाद एक डंपर में आग लगा दी। पुलिसवालों ने किसी तरह से मामले को संभाल लिया। भीड़ शांत होकर लौटने ही वाली थी कि पुलिसवालों ने तीनों डंपरों को वहां से हटवाना शुरू कर दिया। लोगों ने इसका विरोध किया। लोगों का कहना था कि अगर डंपर मौके से हटे तो मामला रफा–दफा हो जाएगा। न तो हादसे में मृत व्यक्ति के घरवालों को कोई सहायता मिलेगी, न ही घायलों का उपचार कराने कोई आगे आएगा। इसलिए अभी इन्हें यहीं रहने दिया जाए। जबकि, पुलिसवाले तीनों डंपर हटवाने का प्रयास करने लगे। इस पर भीड़ दोबारा उग्र हुई तो पुलिस कर्मियों ने लाठी भांजकर खदेड़ने का प्रयास किया। इस पर आक्रोशित लोगों ने ईंट–पत्थर चलाना शुरू कर दिया। अंधेरे में ईंट–पत्थर चलना शुरू हुआ तो पुलिसकर्मी पीछे हट गए। इसके बाद अतिरिक्त फोर्स की मांग की गई। मौके पर चिलुआताल थानाध्यक्ष अतुल कुमार श्रीवास्तव की अगुवाई में पीपीगंज समेत कई थानों की फोर्स मौजूद थी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सिद्धार्थ विश्व विद्यालय, कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर से निर्गत और राजपति माता प्रसाद महाविद्यालय गौरा कलवारी जनपद बस्ती से जारी बी.एस. सी. प्रथम वर्ष 2019 अनुक्रमांक **19253007110003** का अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(अंजनी)

पुत्री माखनलाल

ग्राम– मुस्तफाबाद

पोस्ट– बेईली जनपद– बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान अष्टम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–872/2017

राजमती देवी

बनाम

दूधनाथ आदि

1. दूधनाथ पुत्र रामराज 2. राजकुमार 3. अनिल कुमार 4. सुनील कुमार 5. रामकुमार पुत्रगण दूधनाथ साकिनान मौजा अमारी तप्पा रामगढ़ा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 6. हीरालाल पुत्र अशरफी साकिन मौजा बांसगांव तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 31–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–245/2024

रामउजागिर

बनाम

श्रीमती कुसुम आदि

1. श्रीमती कुसुम पत्नी मोहन लाल 2. आलोक जायसवाल पुत्र रामचन्द्र 3/1 रामचन्द्र पुत्र दयाराम 3/2 मोहन लाल पुत्र दयाराम साकिनान मौजा मझौवाबाबू तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 26–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 26 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश

(आर्डर 9 नियम 4) (2)

अदालत–श्रीमान अष्टम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0–31/2008

मूलवाद सं0 729/89

रामअचल

बनाम

श्यामसुन्दर आदि

2/1 प्रेमचन्द्र 2/2 राधेकृष्ण 2/3 फूलचन्द्र 2/4 गुलाब चन्द्र 2/5 ग्रीश चन्द्र पुत्रगण जंगली 2/6 श्रीमती आशा देवी 2/7 श्रीमती सुशीला देवी पुत्रीगण जंगली निवासीगण ग्राम लबदहा तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 29–05–2025

हरगाह मुद्दई मजकूरुसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन 20 ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 29 माह 05 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

(आर्डर 5 कायदा 3)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण वाद सं0 106/2018

बाबूराम

बनाम

रामजीत

1. रामजीत उम्र करीब 40 वर्ष पुत्र हरिराम निवासी ग्राम दुबौली मिश्र तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम पोस्ट कप्तानगंज तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–07–2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 07 के 18 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–404/2020

सुरेमन आदि

बनाम

राजाराम आदि

1. राजाराम पुत्र बहरैची साकिन भगुरा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. रामज्ञान पुत्र बीपत 3. गौरीशंकर पुत्र जयकरन साकिन भगुरा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 03–07–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 07 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–245/2024

हरिशचन्द्र

बनाम

सचिन आदि

1. सचिन पुत्र बनारसी 2. श्रीमती तारा देवी पत्नी स्व0 बनारसी 3. अन्जनी 4. प्रियंका 5. अंशिका 6. रजनी पुत्रीगण स्व0 बनारसी निवासीगण ग्राम कठौतिया तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

7. धर्मराज पुत्र गंगादीन 8. सतिराम पुत्र राजाराम 9. मु0 छुछ्छी पत्नी दयाराम 10. महेन्द्र प्रताप 11. राम सुरेश 12. राम महेश पुत्रगण दयाराम निवासीगण ग्राम कठौतिया तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 06–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–474/2019

धर्मेन्द्रनाथ

बनाम

श्रीमती सरोज कुमारी आदि

1. श्रीमती सरोज कुमारी पत्नी स्व0 हरिश्चन्द्र 2. श्रीमती बिन्दू पत्नी सुरेश चन्द्र 3. शशांक शेखर पुत्र कृष्णचन्द्र साकिनान पांऊ तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–285/2022

पिल्लू

बनाम

सिकन्दर आलम आदि

1. सिकन्दर आलम 2. सिराज आलम 3. मो0 इद्रीश पुत्रगण 4. श्रीमती आयशा 5. शकील अहमद 6. अताउररहमान पुत्रगण व पुत्री सरफराज 7. सजरून निशा पत्नी सरफराज 8. खालिदा पत्नी सकील अहमद 9. विजयनाथ दास पुत्र ईश्वरी प्रसाद समस्त साकिनान मौजा कुसौरा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब पोस्ट कुसौरा तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 31–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com